भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 16 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1300 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 16 अक्टूबर, 2025 को पूरे देश से विदा हो गया है। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर मानसून की वर्षा गतिविधि आज, 16 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल-माहे में शुरू हो गई है।

(ii) अगले 7 दिनों के दौरान केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ वर्षा की गतिविधि में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 16 अक्टूबर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी: (अनुलग्नक II)

- दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 16 अक्टूबर, 2025 को पूरे देश से विदा हो गया है। इसके साथ ही, उत्तर-पूर्वी मानसून की वर्षा गतिविधि आज, 16 अक्टूबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल-माहे में शुरू हो गई है, जिसके निम्नलिखित लक्षण हैं:
- (क) एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण कोमोरिन क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है जो मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है।
- (ख) निचले क्षोभमंडल स्तरों में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत, दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी में पूर्वी/उत्तर-पूर्वी हवाएँ चल रही हैं।
- (ग) पिछले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और केरल के आसपास के क्षेत्रों में व्यापक वर्षा हुई। इसी अवधि के दौरान रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के आसपास के क्षेत्रों में भी कुछ स्थानों पर वर्षा हुई।
- (घ) इसी अवधि के दौरान तमिलनाडु में कहीं-कहीं भारी से लेकर बहुत भारी वर्षा हुई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- ❖ दक्षिण-पूर्व अरब सागर और उससे सटे लक्षद्वीप क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है। इसके प्रभाव से, 18 अक्टूबर, 2025 के आसपास केरल-कर्नाटक तटों से दूर दक्षिण-पूर्व अरब सागर और लक्षद्वीप क्षेत्र में एक निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने तथा आगामी 48 घंटों के दौरान तीव्र होकर अवदाब में परिवर्तित होने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 16 से 22 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, केरल और माहे में; 16 से 19 अक्टूबर के दौरान लक्षद्वीप, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 16 और 17 अक्टूबर को तटीय कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा; 16 अक्टूबर को उत्तर आंतरिक कर्नाटक कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना; 16 और 17 अक्टूबर को तमिलनाडु, केरल, माहे और लक्षद्वीप में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों तक इस क्षेत्र में बिजली के साथ आंधी-तूफान की संभावना है।

पूर्व भारत:

- ✓ 16 अक्टूबर को दक्षिण ओडिशा में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ आंधी-तूफान की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ✓ 16 और 18 से 20 अक्टूबर के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 16 अक्टूबर को मराठवाड़ा में बिजली के साथ आंधी-तूफान की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ✓ मछुआरों को 16 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:
  अरब सागर: 16 से 21 अक्टूबर के दौरान लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्र; 16 से 21 अक्टूबर के दौरान केरल तट के साथ और उसके आसपास; 17 से 21 अक्टूबर के दौरान कर्नाटक तट के साथ और उसके आसपास; 17 से 21 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पूर्व अरब सागर; 19 और 20 अक्टूबर को दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्से पर न जाएं।

  बंगाल की खाड़ी: 16 और 17 अक्टूबर को तमिलनाडु तट के साथ और उसके आसपास तथा दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के साथ; 16 से 21 अक्टूबर के दौरान मन्नार की खाड़ी; 20 अक्टूबर को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ दक्षिणी हिस्से पर न जाएं।

ii. 16 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **तमिलनाडु:** तिरुचेंदुर (जिला टूथुकुडी), कयालपट्टिनम (जिला टूथुकुडी) 15 प्रत्येक; तिरुचेंदूर एडब्ल्यूएस (जिला टूथुकुडी) 13; तूतीकोरिन (जिला टूथुकुडी), तूतीकोरिन रेलवे एआरजी (जिला टूथुकुडी), अर्कोट (जिला रानीपेट) 9 प्रत्येक; सातनकुलम (जिला टूथुकुडी) 8; नंगुनेरी (जिला तिरुनेलवेली), नांबियार बांध (जिला तिरुनेलवेली) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण**: वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग) 7.

अनुलग्नक II

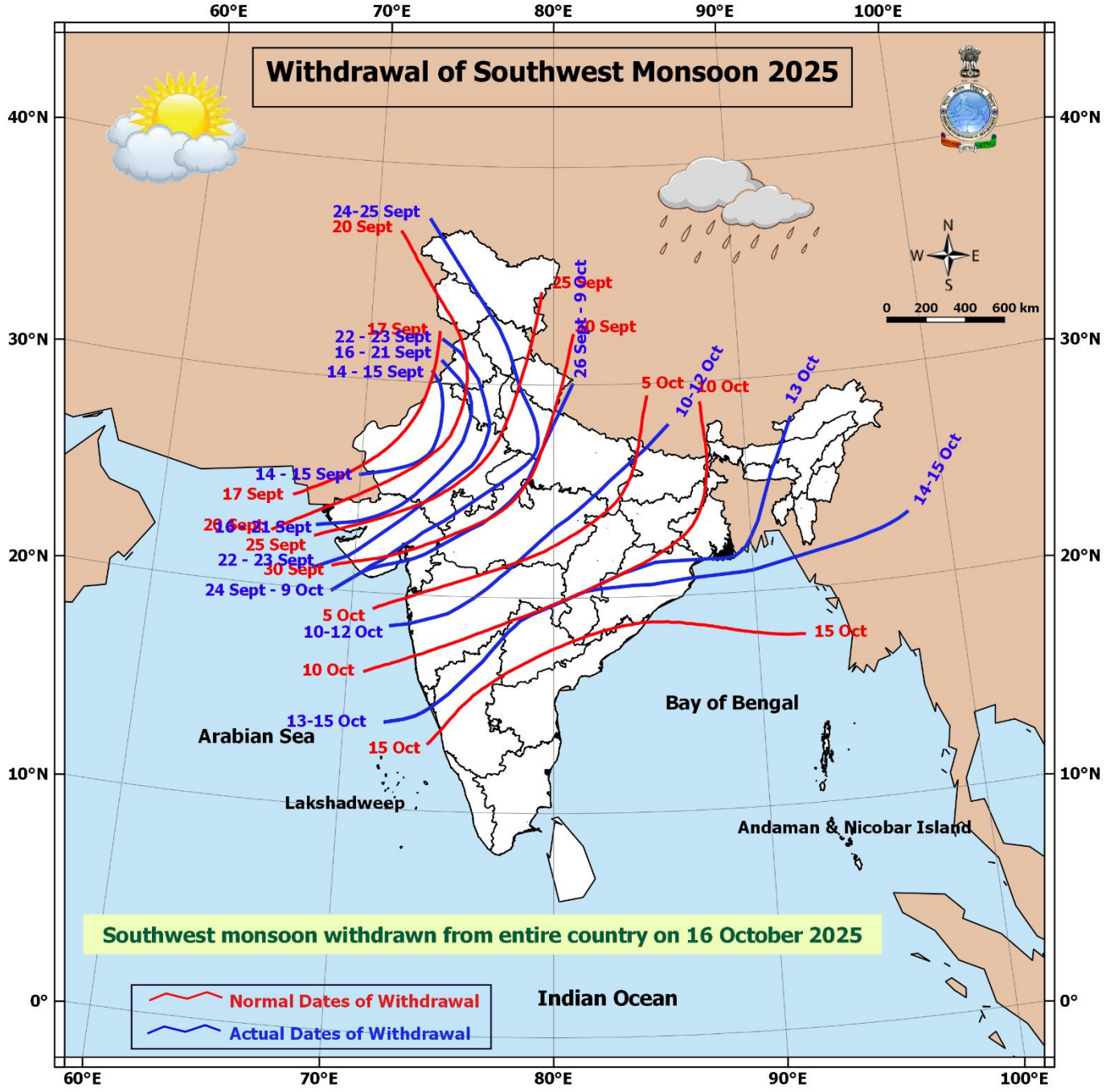

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	16- Oct	17- Oct	18- Oct	19- Oct	20- Oct	21- Oct	22- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

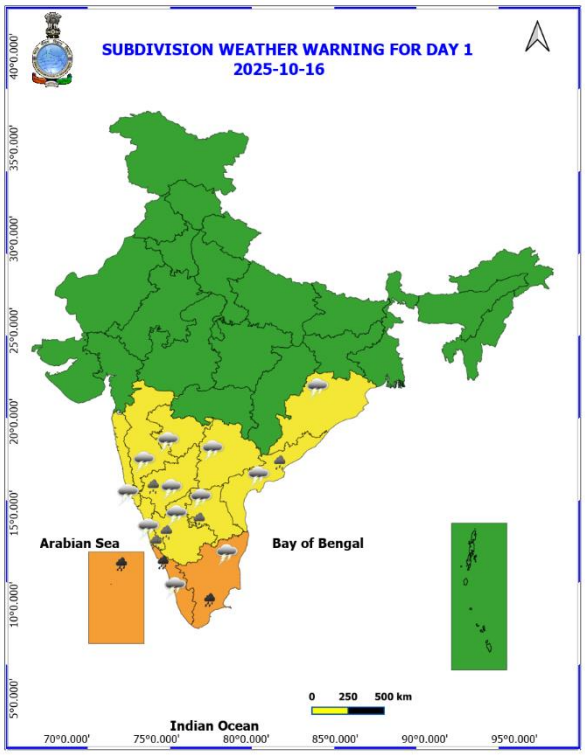
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

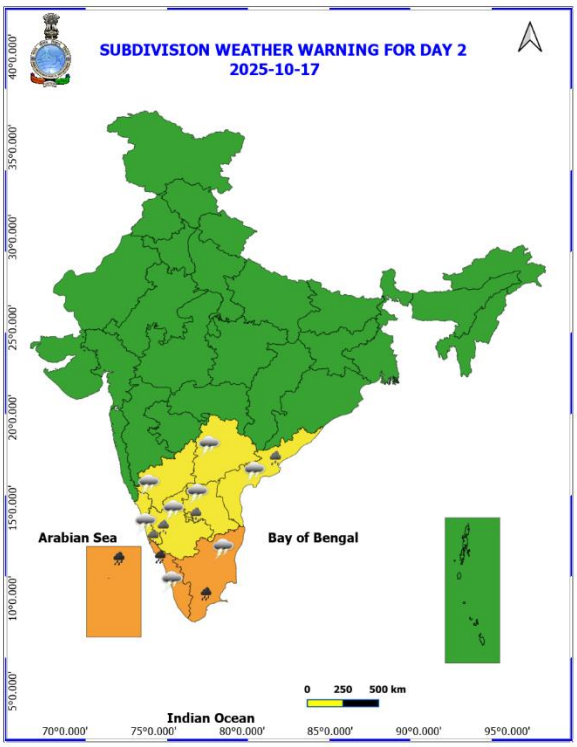
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

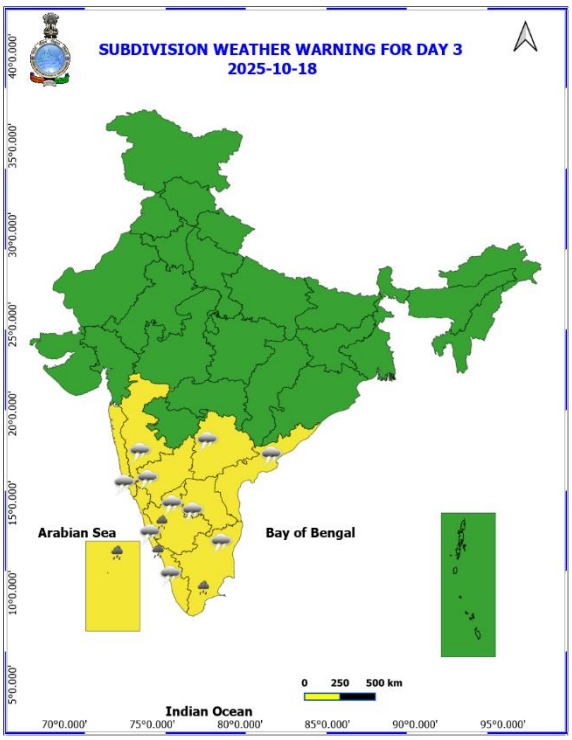
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

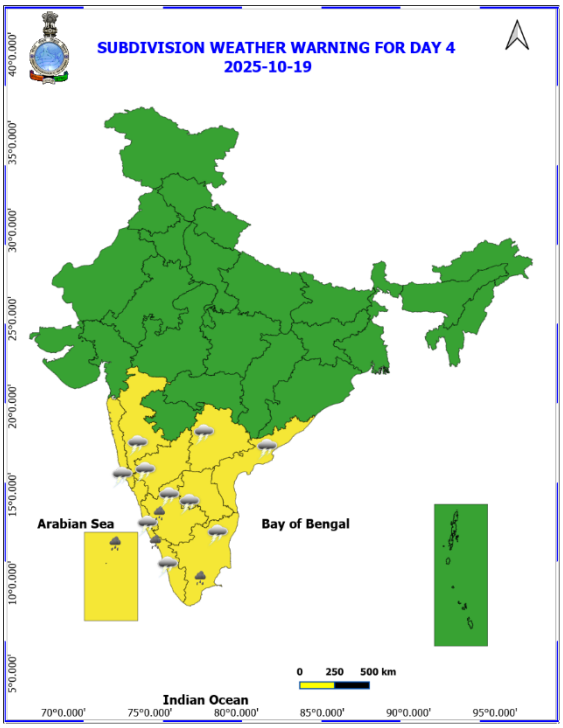

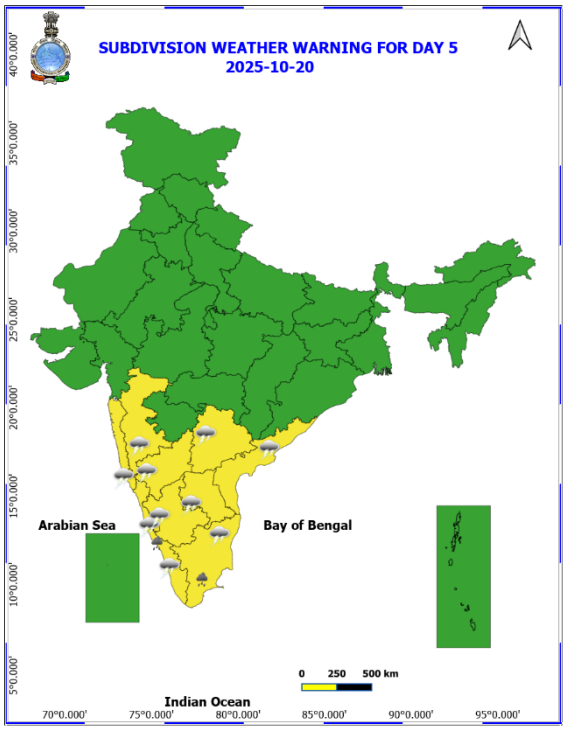

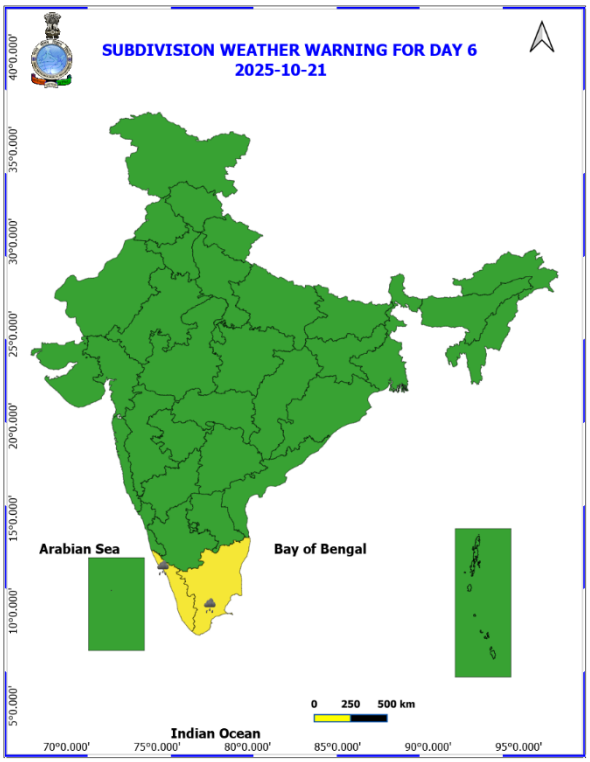

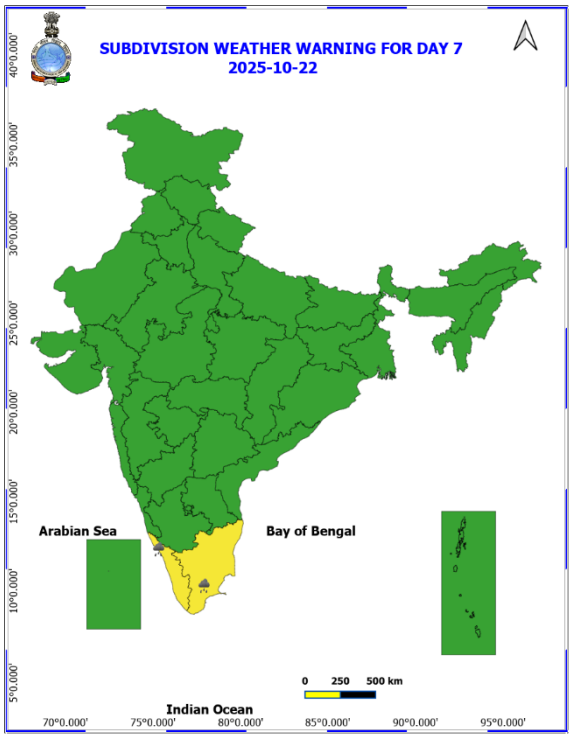

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

16 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 17 से 18°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाओं के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में सुबह के समय शांत हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा, जो धीरे-धीरे दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की गति तक बढ़ गई।

मौसम पूर्वानुमान:

16.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान उत्तर दिशा से हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

17.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

18.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध/धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पश्चिम दिशा से चलेगी जिसकी गति 6 किमी प्रति घंटा तक रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर दिशा से 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

19.10.2025: सुबह के समय कई स्थानों पर धुंध/हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है और दोपहर से धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ हो जाएगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 19 से 21°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 06 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में उत्तर दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 06 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

भारी वर्षा के कारण प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई:

- ❖ 16 और 17 अक्टूबर को तमिलनाडु, केरल, माहे और लक्षद्वीप में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित प्रभाव

- ✓ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- ✓ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- ✓ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया।
- ✓ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ✓ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ✓ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन।

- ✓ जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ✓ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों, खासकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में, बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के बारे में जानने के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ✓ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने रास्ते में यातायात की भीड़भाड़ की जाँच कर लें।
- ✓ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ✓ उन इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ✓ असुरक्षित ढाँचों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **तमिलनाडु में,** धान और मूंगफली की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, कपास, हल्दी, लहसुन, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ **केरल में**, धान के खेतों और केला, नारियल, सुपारी एवं काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- ➢ **तटीय कर्नाटक में,** सुपारी और नारियल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, मूंगफली, मक्का काली मिर्च, इलायची, हल्दी एवं कॉफ़ी की कटी हुई उपज को सूखे, ढके हुए और हवादार स्थानों पर रखें या खेतों में तिरपाल से ढक दें। धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा केला, काली मिर्च, नारियल और सुपारी के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- ➢ **तटीय आंध्र प्रदेश में,** धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, सुपारी, केला, कॉफी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ **रायलसीमा में,** धान, मूंगफली, कपास, हल्दी और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- ➢ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- ➢ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ➢ अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- ➢ कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

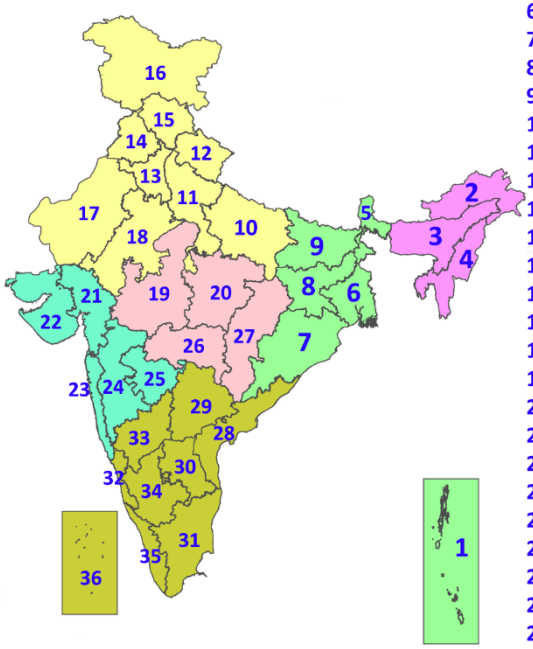

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)